इन्क़िलाबी नज़र
आवाज़ ... आम आदमी की
लखनऊ, शनिवार, 26 सितम्बर 2026

कार्य के प्रभावी होने के लिए उसे स्पष्ट लक्ष्य की तरफ निर्देशित किया जाना चाहिए।
- जवाहर लाल नेहरु

वर्ष 19 अंक 25 मूल्य 4-00 रुपया पृष्ठ-12

'डिग्री से करियर तक: वे स्किल्स जिनकी जगह एआई नहीं ले सकता'

- एरा यूनिवर्सिटी में एनईपी सारथी के तहत गेस्ट लेक्चर का आयोजन
- व्याख्यान में उन मूल्यों और मानवीय रिश्तों का भी जिक्र किया गया जहां एआई कभी नहीं टिक पाएगा

लखनऊ (ब्यूरो)। एनईपी सारथी के तहत लिबरल एजुकेशन विभाग ने शुक्रवार को एक गेस्ट लेक्चर आयोजित किया। लेक्चर का विषय था 'डिग्री से करियर तक: वे स्किल्स जिनकी जगह एआई नहीं ले सकता।' लेक्चर की वक्ता डॉ. अनमता रिजवी थीं, जो एक लेखिका, वक्ता और अंग्रेजी साहित्य की विद्वान हैं और शिक्षा के क्षेत्र में सक्रिय रूप से जुड़ी हुई हैं। यह कार्यक्रम सुबह साढ़े ग्यारह बजे मिनी ऑडिटोरियम में शुरू हुआ। इसमें साइंस फैकल्टी के डीन प्रो. एके श्रीवास्तव, स्टूडेंट वेलफेयर के डीन प्रो. (डॉ.) तनवीर खदीजा, एनईपी कोऑर्डिनेटर और लिबरल एजुकेशन विभाग की प्रमुख प्रो. (डॉ.) शीबा रिजवी, विभिन्न विभागों के फैकल्टी सदस्य और लगभग 200 छात्र शामिल हुए।

कार्यक्रम की शुरुआत साइंस फैकल्टी के डीन प्रो. डॉ. एके श्रीवास्तव द्वारा अतिथि का स्वागत एक पौधा (प्लांट) भेंट करके किया गया। अपने लेक्चर में डॉ. अनमता रिजवी ने उन धारणाओं पर बात की कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस हर पहलू में इंसानों की जगह ले लेगा। उन्होंने उन मूल्यों और मानवीय रिश्तों का भी जिक्र किया जिनकी जगह एआई नहीं ले सकता। यह सेशन मानवीय बुद्धिमत्ता की उन खास खूबियों पर केंद्रित था जिनकी जगह आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस नहीं ले सकता। लेक्चर की सफलता कार्यक्रम के बाद उपस्थित लोगों द्वारा पूछे गए सवालों से पता चली। वक्ता ने उनके सवालों के जवाब दिए। स्टूडेंट वेलफेयर के डीन और लिबरल एजुकेशन विभाग की प्रमुख ने सम्मान के तौर पर वक्ता को एक स्मृति-चिन्ह और सर्टिफिकेट भेंट किया। इस कार्यक्रम का आयोजन एनईपी सारथी की फैजा जेहरा और लिबरल एजुकेशन विभाग के छात्र स्वयंसेवकों श्री राजवंश और सुश्री तंजिला बानो ने किया।